an>

Title :Regarding interference of Pakistan in Tulbul Navigation Project and construction of Wular Barage causing difficulties for the people of Kashmir.

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से आज सदन में एक बहुत महत्वपूर्ण विषय को प्रस्तुत करना चाहता हूं और वह यह है कि कश्मीर पर पाकिस्तान चारों तरफ से हमले कर रहा है, फिर चाहे वह इंटरनल हो, एक्सटर्नल हो, वहां के युवाओं को बरगलाने का सवाल हो, आतंकवाद हो और चाहे घुसपैठ का सवाल हो। उसी तरह से आर्थिक तौर पर कश्मीर कैसे कमजोर होगा, इसकी भी वह व्यवस्था कर रहा है।

महोदया, एक तुलबुल नेवीगेशन प्रोजैक्ट है। उसी प्रोजैक्ट को पाकिस्तान वूलर बराज प्रोजेक्ट कहता है। वर्ष 1960 में जब हमने पाकिस्तान के साथ नदी जल समझौता किया, तो उसमें हमने चार पाइंट दिए कि हम ये-ये काम कर सकते हैं। यदि आपको ध्यान हो, श्रीनगर में अभी जो बाढ़ आई, उसके पीछे भी इस तुलबुल नेवीगेशन प्रोजैक्ट का पूरा होना नहीं है। तुलबुल प्रोजैक्ट झेलम नदी के ईस्ट और वेस्ट तट पर है। वूलर का मतलब होता है, वॉल। झेलम नदी जब श्रीनगर से जाती है, तो वह वूलर लेक में जाती है और वहां से वह सोपोर और बारामूला जिले में जाती है। इस कारण भारत सरकार ने वर्ष 1984-85 में इस प्रोजैक्ट को कंसीव किया और वर्ष 1987 में इसका टेंडर हो गया और टेंडर होने के बाद यह काम शुरू हुआ।

अध्यक्ष महोदया, यदि आप इस पूरे के पूरे एरिये को देखेंगी, जिसमें श्रीनगर, सोपोर और बारामूला हैं, तो इन्हें आप सेब के बागान के तौर पर पाएंगी। यदि इस एरिये का नेवीगेशन सिस्टम बढ़िया होगा, तो इस एरिये में सेब का उत्पादन बहुत ज्यादा होगा। जब वहां सेब का उत्पादन ज्यादा होगा, तो वहां के जो युवा बेरोजगार हैं और बेरोजगारी के कारण वे आतंकवाद का रास्ता अपनाते हैं या देशद्रोह का रास्ता अपनाते हैं, वे ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि अच्छे नेवीगेशन के कारण सेब के उत्पादन की कॉस्ट बहुत कम हो जाएगी और नेवीगेशन कास्ट भी बहुत कम हो जाएगी। पाकिस्तान को जब यह समझ में आ गया कि तुलबुल नेवीगेशन प्रोजेक्ट होने से कश्मीर के लोगों में प्रासपेरिटी आ जाएगी, ज्यादा से ज्यादा विकास का रास्ता अपनाया जाएगा, इसलिए उन्होंने इसे रोकने का बहुत प्रयास किया।

महोदया, वूलर लेक की स्थिति ऐसी है कि यह डल लेक से बहुत बड़ी है। आप समझिए कि डल लेक उसका दसवां हिस्सा भी नहीं है। इससे डल लेक में टूरिस्ट का फ्लो बहुत हो जाएगा, सेब का नेवीगेशन ज्यादा हो जाएगा और ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। 1987 यानी 30 साल से लगातार भारत सरकार पाकिस्तान के साथ नेगोसिएट कर रही है लेकिन अभी तक नेगोसिएशन कहीं नहीं पहुंचा।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से कहना है कि ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन ने डैम बना दिया। नथपा-झाकड़ी के कारण बाढ़ आ गई, चीन को भारत सरकार नहीं रोक पाई। भारत सरकार पाकिस्तान के रोकने से न रुके और तुलबुल नेवीगेशन प्रोजेक्ट हो हर हालत में जल्दी से जल्दी पूरा करे जिससे वहां के युवाओं को रोजगार मिल जाए और लोग मुख्यधारा में आ पाएं।

माननीय अध्यक्ष: श्री रोड़मल नागर, श्री सुधीर गुप्ता, श्री सुमेधानन्द सरस्वती, डॉ. मनोज राजोरिया, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री सी.पी. जोशी, श्री रवीन्द्र कुमार जेना, श्री भैरो प्रसाद मिश्र और श्री शरद त्रिपाठी को श्री निशिकान्त दूबे द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

12.16 hours